आज की युवा पीढ़ी भ्रमित क्यो (नीति और धर्म का ह्रास)

इस प्रश्न के विषय मे भी प्रश्न है कि कया यह कथन सत्य है या असत्य । मैं इस विचार को सही नहीं मानता हूँ क्योकि इस प्रश्न के उत्तर की खोज मे खुद को लगाकर हम सोचे कि हमारी सारी समस्याओ का कारण क्या भ्रमित युवा पीढ़ी है । दर असल प्रश्न होना चाहिये की क्यो हम अपनी युवा पीढ़ी को भ्रमित कर रहे है ? चौकिये मत अगर और सव बाते हमारा बच्चा जन्म से नही सीखकर नही आया तो वह भ्रमित भी जन्म से नही है वह सब कुछ माज से ही सीखता है । समाज है - माता पिता, परिवार,बन्धु बन्धव, अध्यापक, मित्र, पडोसी, नेता, मंत्री इत्यादि ।

हम हिन्दू राम और कृष्ण को अपना आदर्श मानते है जीवन के हर क्षेत्र मे । दशरथ के पास जब विश्वामित्र राम को लेने आये थे तो उन्होने कहा था कि राम अभी अबोध बच्चे है किस तरह से राक्षसो को मारेंगें । कृष्ण के बारे मे भी नन्द बाबा ने लगभग एसा ही कहा था जब अक्रूर जी उन्हे लेने आये थे । हमारे माँ बाप भी हमारे वल को, उत्साह को नही जानते है, पर हम मे से बहुतो ने न केवल उनकी महत्वकांक्षाओ को फलीभूत किया वरन उससे भी आगे बढ़कर यह साबित कर दिया है कि यदि हमे अपने माता पिता से अच्छे संस्कार मिले और अच्छी मान्यताएं दी है । राम ने धर्म का आचरण किया सब कुछ छोडकर, कृष्ण ने भी कभी धर्म का साथ नही छोडा । उन्हे धर्म का ज्ञान अपे माता पिता व स्माज से मिला था पर चह उसे भी नई उचांईयो तक ले गये अपने पुरूषार्थ से व कौशल से, धर्म से केवल दिशा ज्ञान सहज मिलता है पर आचरण मनुष्य के हाथ मे होता है ।

हमारी युवा पी ढ़ी के भ्रमित होने का सही कारण हमारी कथनी और करनी मे अन्तर है । हमारी समाजिक मान्यताओ व आदर्शो मे कमचोरी इसका कारण है । यदि हम अपने अपने समाज का अवलोकन करे तो पाएंगे कि जो हमारे बच्चे आज कर रहे है वह हमने नही किया जो हमने किया, हमारे माता पिता ने सोचा भी न होगा करने का । आज कितने डाक्टर, इंज़ीनियर, एकाउन्टेन्ट है हमारे बीच, क्या पहले हमारे समाज मे थे? लेकिन यदि हमने इन बच्चो को यह नही सिखाया और करके दिखाया कि अपने बडो का सम्मान कैसे किया जाता है यह पीढ़ी बडो का ही नही, हमारा भी सम्मान नही करेगी, तो सोच लिजिये कि आगे की पीढ़ी को गुमराह करने के लिये जिम्मेदार कौन होगा ।

शिक्षा का उदेश्य धर्नाजन नही वरन मानसिक सर्कीणता को हटाना है । धर्म का काम है समाज को दिशा का सही ज्ञान देना । अगर धर्म से दिशा का और शिक्षा से मानसिक संर्कीणता हट जाय तो किसी के भ्रमित रहने का प्रश्न ही नही उठता है ।

रश्मि उमेश रोहतगी

Umesh Rashmi Rohatgi 24161 Nilan Drive Novi MI 48375 USA Phone: (248) 471-5786
Web page :www.rurohatgi.com Email :rurohatgi@yahoo.com